मैथिली
Tanishq
RIVAĀH
WEDDING JEWELLERY

मैथिली

जहाँ हर सांस में कला बसती है,
जहाँ पवित्र मछली सुनहरे सपने बुनती है
जहाँ हर लकीर अंतहीन ख़ूबसूरती रचती है
जहाँ खिलते कमल प्रेम की गाथा सुनाते हैं

जहाँ पारंपरिक कला को सोने में पिरोते हैं
बिहार की वही परंपरा, हम आपके लिए लाते हैं।

कचनी कली

ये प्राचीन जालीदार नमूने मैथिली की धरती की कहानी कहते हैं - जहाँ कचनी की बारीक और कोमल रेखाएं और गोदना के नाज़ुक घुमाव फूलों की आकृति बनाते हैं। आपके हार की हरेक सुनहरी बूंद में इस कला की छाप है, जो आपकी शादी की डगर में ख़ूबसूरती बिखेरती है।

W4RIEDX

मत्स्य रेखा

मैथिली की पवित्र कला, जहाँ मछली भाग्य और आशीष की धारा में बहती है, आपके कंगन उसी शुभ प्रवाह को संजोते हैं। बारीक तारकशी में गढ़ा हर एक सुनहरा त्रिकोण, सदियों की परंपरा की आवाज़ है। यही प्राचीन कला आपकी विवाह गाथा का अनमोल हिस्सा बन, उसे अनगिनत उत्सवों की तरह सँवारता है।

W4RIVAW

कला कुसुम

मैथिली कला में, मंडला चांदनी में नहाए आँगन की शोभा बढ़ाते हैं, वहीं यह चाँद सा हार परंपरा का प्रतीक है। हर सुनहरी पंखुड़ी इस पवित्र कला से जन्मी है, और गोदना की बारीक कलाकारी आपकी शादी में दिव्य आशीष के फूलों की वर्षा करती है।

W4MB4AE

अरिपन अभिषेक

समय के बंधन से आज़ाद मैथिली कला में, मंडला ने हमारी परंपराओं को समेटे रखा है। यह हार उसी अरिपन का एक जगमगाता प्रतीक है। पीढ़ियों की सुन्दरता से सजी ये लड़ियाँ, सूर्य जैसे केंद्र में आकर जुड़ती हैं, और इन सबके मिलन से बना गोदना का पवित्र नमूना, आपकी शादी का जश्न मनाता है।

W4RIEDO

गोदना पुष्प

पवित्र मैथिली कला में, जहाँ मंडला को हज़ारों दुआओं का रूप माना जाता है, वहीं आपका कंगन भी सोने में सजी प्रार्थना सा लगता है। हर पंखुड़ी गोदना की ख़ूबसूरती समेटकर, मानो भाग्य को चार दिशाओं में खोल रही है - जहाँ हर बारीक कारीगरी आपकी शादी में आशीष बरसा रही है।

W4RIVDT

फूल जाली

आपके दिल से लिपटे इस जालीदार चोकर की सुनहरी बेलों में मानो कुदरत की कोई कविता रची गई है। कचनी और गोदना कला की इस अनमोल जोड़ी को पहनते ही बिहार के विशाल बाग़ आपके चारों ओर खिल उठेंगे।

W4MB4AB

मधुलता

हर मैथिली शादी में, पवित्र बेलें किसी माँ के सपनों की तरह ही खिलती हैं। इस हार की झालरें जैसे झिलमिल करता आशीर्वाद है - हर लता में झलकती है सदियों की कोमलता, हर बूंद आपकी दादी नानी की कथाएँ सुनाती है, परंपराओं को अपनी बांहों में समा लेती है।

W4RI2DT

अनंत पुष्प

मैथिली से बहती नदियों की तरह, आपका कंगन
भी सोने की एक अंतहीन स्वर्ण गाथा सुनाता है।
इसकी हरेक पंखुड़ी वक़्त में दूर कहीं ले जाती है,
हर लता किसी प्राचीन आशीर्वाद का रूप लेती है -
जहाँ गोदना कलाकारी के तारों के ज़रिये,
आपकी शादी के सपने बुने जाते हैं।

W4RIVD0

फूल डोर

कचनी की बारीक कारीगरी में जहाँ हर घुमाव कुछ कहता है, ये ढोलना फैली हुई बेलों को एक कविता का रूप देती हैं। इन्हें पहनने के बाद बिहारी कला की जुड़वां जोड़ी, यानि कचनी और गोदना, कुदरत के सबसे ख़ूबसूरत नृत्य से आपके सफ़र की शुरुआत कराते हैं।

W4MBXAB, W4MBXAI

मयूर श्रृंगार

प्राचीन मैथिली कला में, हर दुल्हन के सपनों में उसका मन मयूर नृत्य कर रहा होता है और मोरपंख प्यार और रूप की कथाएँ सुनाता है। यही पवित्र खूबसूरती आपके हार में भी समाई है, इसकी हर सुनहरी क़तार परंपरा की ताल से ताल मिलाकर लहराती है, और हर बेजोड़ नमूना मानो कलाकार के दिल से निकली दुआ है।

W4RI2DR

बेल कंगन

इन चूड़ियों में बाग़ों की सुनहरी दीवारें रचाई गई हैं जहाँ हर घुमाव में एक राज़ छिपा है। इस बारीक जालीदार काम के ज़रिए, बिहार की कचनी कला आपकी कलाइयों पर बेलों और लताओं का, और कुछ वादों का जाल बिछा देगी।

W4RIVDX

फूल चक्र

गोदना की पवित्र कलाकारी में हर गोलाकार कुदरत की अंतहीन कथा कहता है, उसी तरह यह सेट मिथिला की जीवंत विरासत दिखाता है। बीच में किसी सुनहरे मंडला की तरह खुले फूल के आसपास हैं लय में बने पैटर्न जो कुदरत का प्रतीक है - हर बारीकी हमारे पुरखों की कलाकारी की दास्तान बयान करती है।

W4MB4AC

सूर्य किरण

पवित्र मैथिली कला में, सूरज हर नई शुरुआत के लिए अपने साथ लाता है दिव्य आशीष, जो आपके नेकलेस की सुनहरी किरणों में भी नज़र आता है। इसमें छिपी है सुबह की पहली रोशनी, पीढ़ियों पुरानी परंपराओं के स्वर और शादी के शुभ दिन आपके चेहरे पर जगमगाने वाला प्यार।

W4RIEDS

मत्स्य पुष्प

मैथिली कला में जहाँ पवित्र मछलियाँ आशीष के घेरे में बहती हैं, यह हार सोने के ज़रिए हमारी विरासत दिखाता है। इसके हर मेडल जैसे आकार में गोदना की झलक नज़र आती है, और कमल से प्रेरित पैटर्न बाहर की ओर उभरते हैं - और इस तरह कुदरत के सबसे पावन प्रतीक आपकी शादी में शामिल हो जाते हैं।

W4MB4AH

सूर्य आरती

बिहारी दुल्हन की मांग को छूती सूरज की पहली किरण में समाया है सदियों का आशीर्वाद। ये स्वर्ण झालरें आपकी शादी के सपनों को सजाती हैं, हर पंखुड़ी, हर किरण अपने साथ पवित्र मैथिली कला का सौंदर्य लाती है, हर तार माँ द्वारा गाए ज़माने भर की दुआओं के गीत गुनगुनाता है।

W4RI2DS

स्वर्ण पालकी

मैथिली की कला से सजी दुल्हन की पवित्र पालकी की तरह, इस सेट में कई पीढ़ियों के शादी के सपने सजे हैं। हर सुनहरी लड़ी चंचलता से लहराती है, और कमल रूपी ताज, प्राचीन आशीष बरसाता है, और हमारी कलात्मक विरासत आपकी नई शुरुआत का स्वागत करती है।

W4MB4AJ

मयूर जाली

मैथिली कला में मयूर इठलाकर नृत्य करता है, और इन चूड़ियों में वही मोर कुदरत के सबसे खूबसूरत आशीर्वाद के रूप में नज़र आता है। हरेक सुनहरी जाली में शाही, नीली मीनाकारी में मोर जी उठते हैं। ये परंपरा के पहरेदार, अपनी मौजूदगी से आपकी शादी को यादगार बना देते हैं।

W4MBVAF

वृन्दावन

मैथिली की जीवंत कला में मौजूद लताओं की तरह,
यह बेजोड़ नमूना हमारी विरासत की तरह खिला है।
हर सुनहरी झालर और नाज़ुक तारकशी में कुदरत के
किस्से छिपे हैं, वहीं कारीगरों के हाथों के स्वर हर
नमूने में सुनाई देते हैं - यह सदियों पुरानी परंपरा
आज आपके सपनों को सजा रही है।

W4RI2DX

मैथिली

TANISHQ

RIVAĀH

WEDDING JEWELLERY